ग्राम सहकारी समितियों के सदस्यों की दुर्घटना बीमा राशि बढ़ेगी

सहकारभारती की ओर से रविवार को केशव विद्यापीठ में प्रांतीय महाधिवेशन का आयोजन किया गया। अधिवेशन में पूरे प्रदेश के करीब साढ़े तेरह सौ प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इसमें डेयरी, प्राथमिक कृषि सहकारी समिति, सहकारिता शिक्षण, अरबन बैंक और क्रेडिट को. ऑपरेटिव सोसाइटी से जुड़े प्रस्ताव पारित किए गए। ये प्रस्ताव केंद्र और राज्य सरकार को भेजे जाएंगे। सहकार भारती के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश मोदी ने इसकी जानकारी दी।

डेयरी सेक्टर में दूध का समर्थन मूल्य घोषित करने, सभी ब्लॉक में पशु अस्पताल एवं दुग्ध शीत केंद्र बढ़ाने, क्षेत्रीय पशु मेले लगाने का प्रस्ताव रखा। छत्तीसगढ़ एवं पश्चिम बंगाल की तर्ज पर प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों की उपज को न्यूनतम समर्थन मूल्य में खरीदी योजना को लागू करने, कृषि सहकारी समितियों को फंडिंग बढ़ाने, राजस्थान में ग्रामीण सेवा समितियों को मिनी बैंक के रूप में बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने, शून्य बजट पर फसली ब्याज ऋण देने और नाबार्ड ऋण का सरलीकरण करने की मांग की है। सहकारी शिक्षण को बढ़ावा देने के लिए सहकार भारती को सूचीबद्ध संस्थानों में शामिल करने, अरबन को.ऑपरेटिव बैंकों को स्टाफ स्ट्रैन्थ तय करने की स्वतंत्रता देने और अधिकारियों और कर्मचारियों को योग्यता के आधार पर वेतन तय किए जाने की स्वतंत्रता देने, क्रेडिट को. ऑपरेटिव सोसाइटी को प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खाता खोलने के लिए अधिकृत करने जैसी प्रमुख मांगों को प्रस्ताव में शामिल किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सतीश मराठे ने कहा कि पिछले साठ सालों में कंपनी एक्ट में कई बदलाव हुए हैं, लेकिन सहकारिता पुराने कानूनों में जरूरी संशोधन नहीं हुए हैं। इसलिए देश में सहकारी तंत्र मजबूत नहीं हो पाया है। इस मौके पर सहकारी मंत्री अजय किलक ने कहा कि ग्राम सहकारी समितियों के सदस्यों के दुर्घटना बीमा को एक लाख से बढ़ाकर दस लाख रुपए किया जाएगा।

कार्यक्रममें ये थे मौजूद

कार्यक्रममें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र प्रचारक दुर्गादास, सहकार भारती के राष्ट्रीय महामंत्री प्रो. जीतू व्यास, राष्ट्रीय संगठन मंत्री विजय देवांगन, छत्तीसगढ़ बाल सरंक्षण आयोग की अध्यक्ष शताब्दी पांडे, क्रेडिट सोसाइटी प्रकोष्ठ के संयुक्त सचिव विनय खटावकर, भोपाल दुग्ध संघ के अध्यक्ष धर्म सिंह वर्मा, सहकार भारती के प्रांत प्रमुख इन्द्रेश कुमार गुप्ता, प्रदेश महामंत्री मोहन परमार और क्षेत्र संगठन मंत्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल समेत कई प्रतिनिधि मौजूद थे।

Bhaskar News Network | Oct 5, 2015, 03:35:34 AM IST